DEEBALI

WALL MAGAZINE

2024 - 2025 (I)

SRIJNATMAKTA KE KHULTE PANKH

EDITORIAL TEAM

Dr. Babita Kumari

Kumud Ranjan Jha

Dr. Kartik Pal

Dr. Amit Bhattacharya

Bablee Singh

Usha Murmu

सम्पादकीय

सृजनात्मकता के खुलते पंख

रचनात्मकता एक सामाजिक गतिविधि है जो किसी वस्तु, विचार कला, साहित्य से संबंद्ध किसी समस्या का समाधान निकालने आदि के क्षेत्र में कुछ नया रचने, अविष्कृत करने या पुनर्सर्जित करने की प्रक्रिया है।

यह एक मानसिक संक्रिया है जो भौतिक परिवर्त्तनों को जन्म देती है। सृजनात्मकता के संदर्भ में वैयक्तिक क्षमता और प्रशिक्षण का अनुपातिक संबंध है। काव्यशास्त्र में सृजनात्मक प्रतिभा व्युत्पति और अभ्यास के सहसंबंधों की पारेणीति के रूप में व्यवहृत है।

आज के समय में सृजनात्मकता के क्षेत्र में तीव्रता से विकास हो रहा है। चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो साहित्य, कला, विचार, वस्तु इन सभी क्षेत्रों में हम नए-नए चीजों का सृजन करके हम गगन को छु रहे हैं। यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि वर्त्तमान में हम अपने सृजनात्मक कार्य से अपने विचारों के पंखों को खोलते हुए नई उपलब्धियों को हासिल कर रहे हैं।

इस आधुनिकता एवं विकास की ओर तेजी से बढ़ रहे युग में सृजनात्मक अथवा रचनात्मक कार्यों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। आने वाले समय में भी इसकी भूमिका और भी बढ़ने वाली है। रूचि जगाने का प्रयास एवं प्रोत्साहन करना होगा। ताकि इस सृजनात्मकता के क्षेत्र में हम भी अपनी साझेदारी सुनिश्चित कर सकें।

प्रभावशाली सृजनात्मक लेखन पाठकों का ध्यान आकर्षित करता है एवं रूचि व इच्छा जागृत करता है। इस बात को ध्यान में रखकर दीवार पत्रिका विभाग ने एक प्रयास किया है फिर भी आप लोगों के सुझाव को ध्यान में रखकर काम करने की संकल्प लेते हुए उस पर अमल की भरसक कोशिश रहेगी

अगला संस्करण

ज्ञानोदय

Name - Neelam Brity Baskey
Class - B.Ed, Sem II
Roll No- 79 'B'
Ideal!
LIKE

NAME - SEEMA MURMU
ROLL NO - 16 'A'
SESSION - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

सृजनात्मकता के खुलते पंख,
मन की आजादी का संगीत गाते।
विचारों की उड़ान ले कर,
अद्भुत अफसाने रचाते।
रंग - बिरंगी इमारतें बसाते,
सपनो की उड़ान को सजाते।
कल्पनाओं की लहरें लेकर,
नई दुनिया में मस्ती छाते।
सोच की बादलो को चीरतें
उच्चारण की मिट्टी से मूर्ति बनाते।
कल्पना के क्षितिज पर उतरतें,
अनगिनत रहस्यों को पहचानते।
सृष्टि के संगीत में खो जाते,
कल्पनाओं की उड़ान में समाते।
सृजनात्मकता के खुलते पंख,
हर आत्मा को अद्वितीय बनाते।

Name- Komal Kumari
Class - B.Ed. (sem-II)
Roll no- 07
Sec - 'A'
Session - 2023-25

ओनोड़हे
आकिल डहार

इस सेच् खोन माड़ाङ रे जोहार
देलाबोन पाञ्जाया आकिल डहार।
बागी काते बाथ आर मेरोम सुपी
आपनारबोन सिलाट आर पुंची कोपी।
आकिल बाती जोतोको ते जेरेदाबोन
आकिल बिद्या आबो हे रेबेदाबोन।
आकिल बिद्या आबो हे रेबेदाबोन। बोन आकिल
लाहाक् लागीत दिसोम हनानार। बोन आकिल
पाड़हावो काते बेनाक् बोन डॉक्टर - वकील।

आकिल बाड़ ते जूत आकाना दिसोम् काड़ाङ - काड़ाङ
आकिल बाती जेरेदाबोन मारसलाबोन माड़ाङ।
आकिल बाड़ ते दिसोम् ताबोन लिलामोक् कान
तांड़ाम - तांड़ाम बोन देला बिलोमोक् कान्।

कॉलेज पाड़वा हेन मिया जेतीज नेहोर
आकिल होर रे आधुर कोबोन देलाड़ चेडा
ओलोक् आकिल बोयहा हेबोन जो - ब
दिसोम ताबोन बोयहा हेबोन सोतोक

आंकिल रे गे - चों मेनाक् कोपाल आर कोरोम
आकिल डहार दो आमु तिसेम ओरोम
आकिल बाड़ ते दिसोम् मा नाचारोकान
आकिल बाड़ ते दिसोम् मा नाचारोकान
एटाक् रेन कोम्पानी ते दिसोम् नान्चारोकान

नाम - सावित्री सोरेन
कक्षा - B.Ed. 'D'
रोल नं० - 172
सत्र - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख
नाम-शिवानी कुमारी
कक्षा-बी.एड, सेक्शन-C
रोल-123, सेशन-2023-25

सृजनात्मकता की खुलते पंख

रेंगने को होते नही पंख होते है ये
उड़ने को
जो रोते बैठे है .... बैठे
खुद को नही भिगोना रोके
नही भटकना कही और अब नही बिताना
समय को ऐसे जीवन शीर्ष नया गढ़ने
को रेंगने को होते नही पंख होते है
ये ..... उड़ने को कोई कैसे कह देता है
पर्वत टूट नहीं सकता या तो नदियां नही दिखी
था उसको घाट नहीं दिखता होने को सब हो
जाता है तैयार रहो जो ..... बहने को रेंगने को
होते नहीं पंख होते है वे ..... उड़ने को नही
जमाओ डेरा अपना जहाँ न संभव जा पाना सीमाएं
तो पग पग है यदि नही स्वयं को पहचाना
तोड़ी जाती है सीमाएं इतिहास नया रचने
को रेंगने को होते नहीं पंख होते है
ये .... उड़ने को ।

Name :- Tullika kumari
Roll :- 158
Session :- 2023-25

"Opening the wings of creativity."

you Were born with potential
you Were born with goodness and Trust
you Were born with ideals and dreams.
you were born with greatness.
you Were born with Wings.
you are not meant for crawling so, don't
you have Wings
Learn to use them and fly.

NAME :- DEEPMALA MARANDI
R.NO - 149 CLASS :- B.Ed
SESSION - 2023-25

"पंख मेरे ना काटो तुम"

उड़ने दो उन्मुक्त गगन में
पंख मेरे ना काटो तुम...
उड़ने दो उन्मुक्त गगन में
पंख मेरे ना काटो तुम....

बहने दो मदमस्त पवन में
गति मेरी ना रोको तुम,
इस धरती से उस अम्बर तक
पंख मुझे फैलाने दो

छू लेने दो चाँद मुझे भी
मेरे स्वप्न ना तोड़ो तुम
निराधार क्यूँ कहते हो मुझको
मैं जीवन का आधार हूँ

नारी का वजूद निराला है,
ये दुनिया को बतलाने दो
जीने दो मुझको भी खुलकर
पिंजरे में ना बाँधो तुम।

नाम - ललीता कुमारी
क्रमांक - 71 B.Ed Sem-II
2023-25

सकारात्मकता के खुलते पंख

कल एक अजनबी जिंदगी को देखा,
वो राहों पर मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूँढा उसे इधर-उधर वो आँख मिचौली
कर मुस्कुरा रही थी,
एक अरसे के बाद आया मुझे करार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी
मैंने पूछ लिया - क्यों इतना दर्द दिया तूने,
वो हँसी और बोली - मैं जिंदगी हूँ
तुझे जीना सिखा रही हूँ।

Name- Nisha Jha
Roll no- 46
class- B.Ed. Sem
Session- 2022

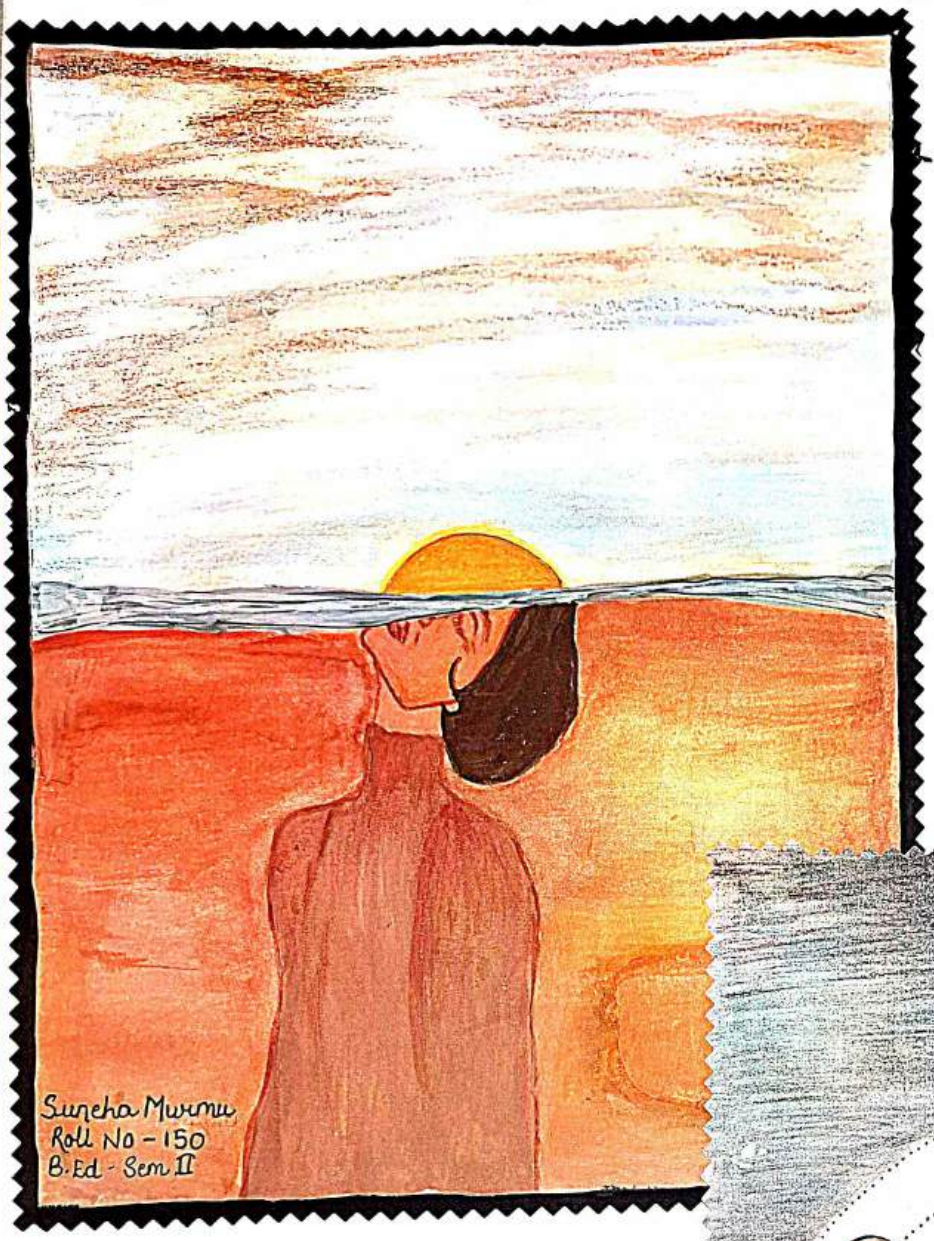

Suneha Murmu
Roll No - 150
B.Ed - Sem II

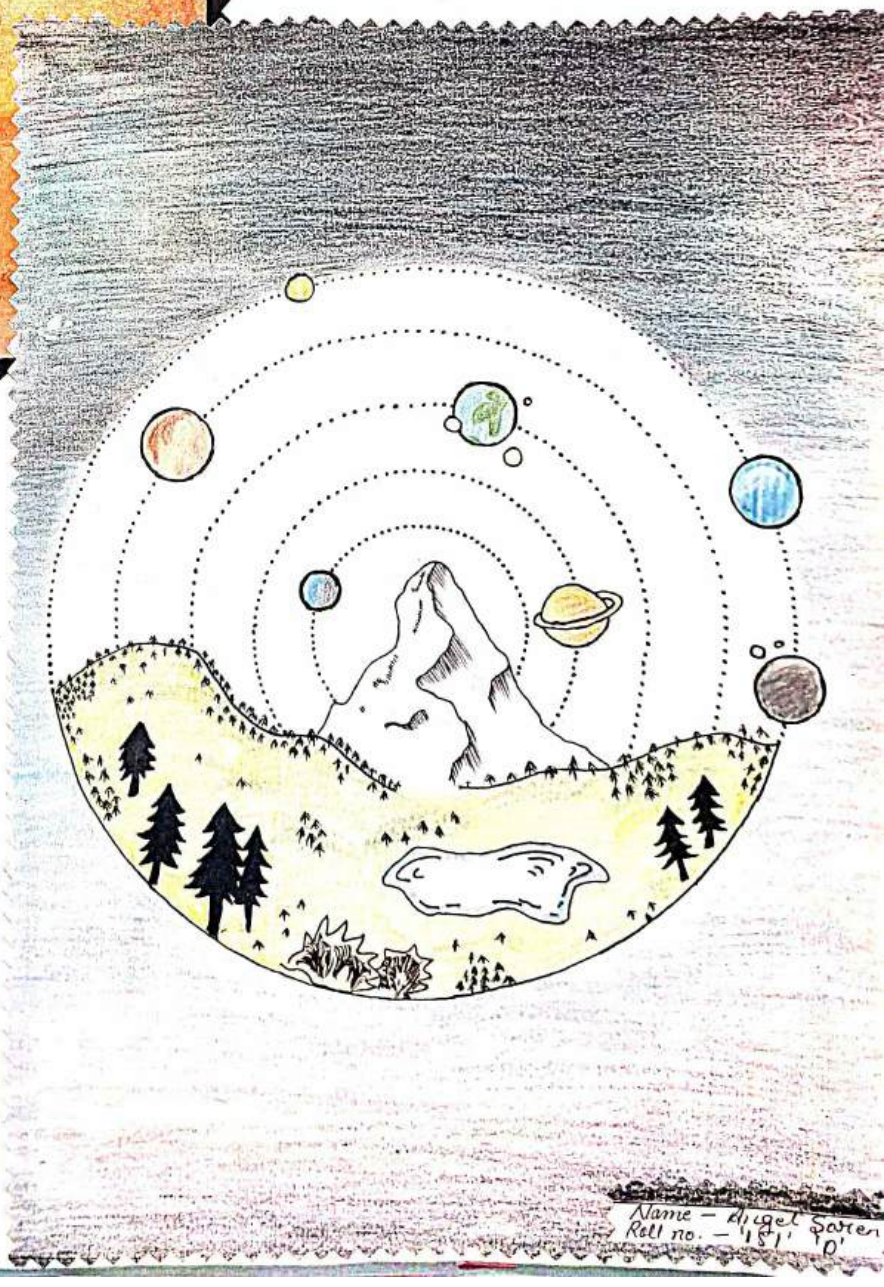

Name - Angel Soren
Roll no. - '151' 'D'

सृजनात्मकता

कुँड़ुख ओनोड़हैत (कविता)

शीर्षक - सोहराय रास्का

वानाक् दिन

बोहोर दिन बाद रे हिज्जुक् काना सोहराय पोरोब ।
ओड़ाक् पिद्दा जिल हाकु उतुयाकु तोरोब ।।
चीनी चाय नु काते ताहेनाकु होड़ गोरोब ।
आर कु मैना हायरे सोहराय रास्का वानाक् दिन ।।
बुध दिन रेगी काचाय पाड़ाक् आ ऊम ।
खुन्टाव डांगरा उडुड. ओकते रोड़ाकु हुम - हुम ।।
चारहाव भागाव काते रनेच् लगित् तुमदाक् कु धाम-धुम
आर कु मैना हायरे सोहराय रास्का वानाक् दिन ।।

नाम - शर्मीला टुडू
रोल न. - 183
कक्षा - B.Ed (D)
सत्र - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

जिन्दगी तुम खूबसूरत हो,
मानो किसी शिल्पकार की मूरत हो।
कभी हँस पड़ती हो खिलखिलाकर,
किसी बच्चे की तरह
तो कभी गुम-सी हो जाती हो बिल्कुल
निराशा भरे मन में आशा की तरह।
कभी नव-वधू की भाँति लजाते हुए मुस्करा देती हो,
तो अगले ही पल होने पर स्वतंत्रता का हनन
झट सारे वायदे ठुकरा देती हो।
क्या उपमा दूँ मैं तुम्हें?
तुम अतुल्य व हर बदलाव की नियति हो
जिन्दगी तुम खूबसूरत हो।

नाम - निक्की कुमारी
रोल न. - 176 (D)

सृजनात्मकता के खुलते पंख

★ स्वदानियता से लेकर
अश्लीलता तक, बहुत बड़ा रेंज है
रचनाओं के सृजन के, देश देशान्तर, समय
के हर कालखण्ड में, बहुत लेखक हुए, कुछ
जादूगर, कुछ टुच्चे।

★ हाथ में कलम है, तो जवाबदेहियाँ भी हैं; निभाना
भी न आए तो कोई इसे उगल क्यों? कुछ ऐसी
कि डस्टबिन डाल आइए और कुछ ऐसी।

★ ऐ लेखक तुम कलम उठाओ, भाव उकेरो
पाठक हो मन्त्रमुग्ध, ऐसा कोई सृजन करो।

Name- Rupita Kumari
Roll no- 164
Session - 2023-25
Course - B.Ed

सृजनात्मकता के खुलते पंख

चाहे तुम हो चाँद पर,
चाहे हो आकाश में पंख पर
माँ की ममता, पिता का सहयोग
हैता मेरा सहपरिवार साथ
छोटे से इस घर में मानों
चाँद तारे सब अपने हैं,
बिना डर के जिंदगी जीना है
माँ जैसी बेफीकर बनना है,
ताकि अपने पंखों को फैलाना है।

Name - Janu Kumari
Class - B.Ed. 2nd sem
Sec - 'A'
RH no - 04
Session - 2023-25

"Shrijanatmakta ki khulte pankh"
Priya Tiwary
B.Ed Sec-'A'
Roll-22
Session-23-25

सृजनात्मक के खुलते पंख
नाम नेहा
Class - B.ed sem II 'C'
Roll No - 125

सृजनात्मकता के खुलते पंख

दुनिया में Distraction भरे हैं।
कुछ लोग इसके सामने भी खड़े हैं।
Distraction लक्ष्य से भटका
देता है।
जीते वही है जो इससे लड़े हैं।

Name- Priyanka Ranjan
Class - B.Ed. Sem - II
Roll no - 165
Session - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

आपकी कल्पना को उत्तेजित करने के लिए, तथा लिखने की प्रक्रिया में आपकी सहायता करने के लिए, सृजनात्मक लेखन अभ्यास सबसे मजेदार उपाय है। सृजनात्मक एक जादू की छड़ी है जो दो उपायों से काम करती है। जब आप कार्यशाही में जुट जाते तथा किसी चीज का सृजन करना चाहते हैं, यह केवल उस वस्तु या कार्य को ही अस्तित्व में नहीं लाता, यह आपके हृदय में एक स्वप्न, तथा वह सृष्टि उपलब्ध करने के लिए इच्छाशक्ति भी जगा देता है और जब लगता है कि सब कुछ खो गया है तथा निराशा में ओत-प्रोत हो गया है, तब सृजनात्मक का जादू आपको चालित कर सकता है। क्योंकि जब अन्य सब कुछ अंधकारमय प्रतीत होता है, तब कुछ सृष्टि कर डालने की प्रवृत्ति आपको कुछ अपेक्षा करने का लक्ष्य प्रदान करेगा। यदि आप इस प्रवृत्ति को धारण करते हैं, तब यह आपको पकड़ कर सबसे अंधकारमय अवस्थाओं से भी आपको पार कर देगा।

Name- Mamta Kumari
Class - B.Ed 'D'
Roll no - 181
Session - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

हर बार मौका दो जिंदगी को
न खुद को कभी निराश करो
तुम्हारे इंतजार में है कहीं खुशियां
ताकत दो अपने पंखों को
एक उड़ान और भरो !
किनारों पर खड़े समंदर पार होते नहीं,
नभ को निहारने से चांद-तारे मिलते नहीं !
तोड़ो सीमाओं को खुद को और काबिल
ताकत दो अपने पंखों को
एक उड़ान और भरो !

नाम – रोसा टुडू
रोल नं० – 166
कक्षा – B.Ed. 202

सृजनात्मकता के खुलते पंख...

सृजन कर...
एक वर्ण दिव्य सा
महान ग्रंथ बन जाता है,
मीठे मीठे शब्दों से, जीवन संवर जाता है।

सृजन कर...
उड़ान प्रेम - पंख से -
दुख कलह मिट जाता है,
नजर - नजर के मेल से -
नव युग बन जाता है ।

सृजन कर...
एक सोच बीज सा -
महान कृत कर जाता है,
गुण - गुण को सिंचकर -
नर नारायण कहलाता है ।

सृजन कर ।।

नाम : गीता भारती
क्रमांक : 50 B.Ed. 2nd Sem

"Srijanatmakta ki khulte pankh"

I Live On

Each pen is handmade
by natural feathers
that carefully selected.

Presented By
Barkha kumari
Roll no - 05 'A'

सृजनात्मकता की खुलते पंख

नाम - रिंकी हाँसदा
बी॰ एड॰ सेमेस्टर II 'C'

सृजनात्मकता की पंख खुलने

एक उड़ान, एक सपना एक नई राह,
सृजनात्मकता की खुलते पंख का संघर्ष निरखा।
विचारों का संगम, कल्पनाओं की उड़ान,
जमीन और आसमान की बीच
खोज राह बदलती मुसाफिर की मान !
प्रेरणा की किरण, रचनात्मकता की भाषा
हर कलाकार के स्वप्न की खुद से ही साधा
विचारों का समावेश, अनुभवों की भूमि,
विविधता का संगम, सृजनात्मकता की सृष्टि
आगे बढ़ते रहो, सपनों की दुनिया में,
खोजते रहो, उत्साह की भरी दौड़ में,
सृजनात्मकता की उसकी सृष्टि
आगे बढ़ो, सपनों की दुनिया में
सृजनात्मकता की खुलते पंख है वह
उड़ान, नई राहो पर चलते हुए,
मिलता है मान को सकून मत
रोको मत टोको उड़ते रहने दो
उसको आसमानों में !

Name - Lovely Kumari
Session - 2023-25
Class - B.Ed Sem - II
Roll No - 39 (A)

सृजनात्मकता के खुलते पंख

कैद करो मुझको पिंजरे में।
बंदीशों में मुझे जीने दो॥
मैं तो हूँ पंछी खुले गगन का।
खुले आसमान में मुझे जीने दो॥
न रोको तुम मेरे उड़ान को।
मुझको पंख फैलाने दो॥
आसमान की सीमा का।
मुझको आकलन करने दो॥
मेरे खुले सुरों के गूंज को तुम।
इस खुले चमन में गूंजने दो॥
मेरे मधुर कंठस्वर से किसी को।
अब न वंचित रहने दो॥
है मुझमें भी बहुत करने की चाह।
उन चाहतों पे खरा उतरने दो॥
जिस मंजिल की है चाह मुझे।
उस मंजिल को हासिल करने दो॥

Name - Vaishnavi Kum
Roll no - 01
Class - D.El.Ed

सृजनात्मकता की खुलते पंख

हम भी परिंदों की तरह,
ख्वाइशों के पंख फैलाये खड़े हैं,
होगी उड़ान अपनी भी ऊँची,
बस इसी बात पे कबसे अड़े हैं।

उड़ेंगे हमभी पूरे आसमान में,
पर अभी सपनों से लड़ाई थोड़ी बड़ी है,
होगा बसेरा अपना भी बादलों में,
जहाँ आजाद जीवन की रेशमी डोर थी

Name – Savitri Hembrom
Class – B.Ed (Sem-II)
Roll No – 43 'A'
Session – 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

सृजनात्मकता के पंख पर, कविता की उड़ान है निराली। विचारों की आवाज, भावनाओं का संगम, पल-पल रचती है नई कहानी।

सृजनात्मकता के पंख पर, स्वप्नों का सफर बेहद है सुहाना। विचारों की लहरें, कल्पनाओं का रंग, हर शब्द में छुपा है अनगिनत किस्सा।

सृजनात्मकता के पंख पर, बुलंदियों का सफर लम्बा है अपार। कविता की मंजिल, सपनों का पथ, विचारों की उड़ान, हर किसी के लिए अद्भुत साथ।

Name – Manisha kumari
Roll no – 49
class – B.Ed (A)
sem – II

Name - Punam Kumari
Class - B.Ed. (Sem-II)
Roll No. - 44 'A'

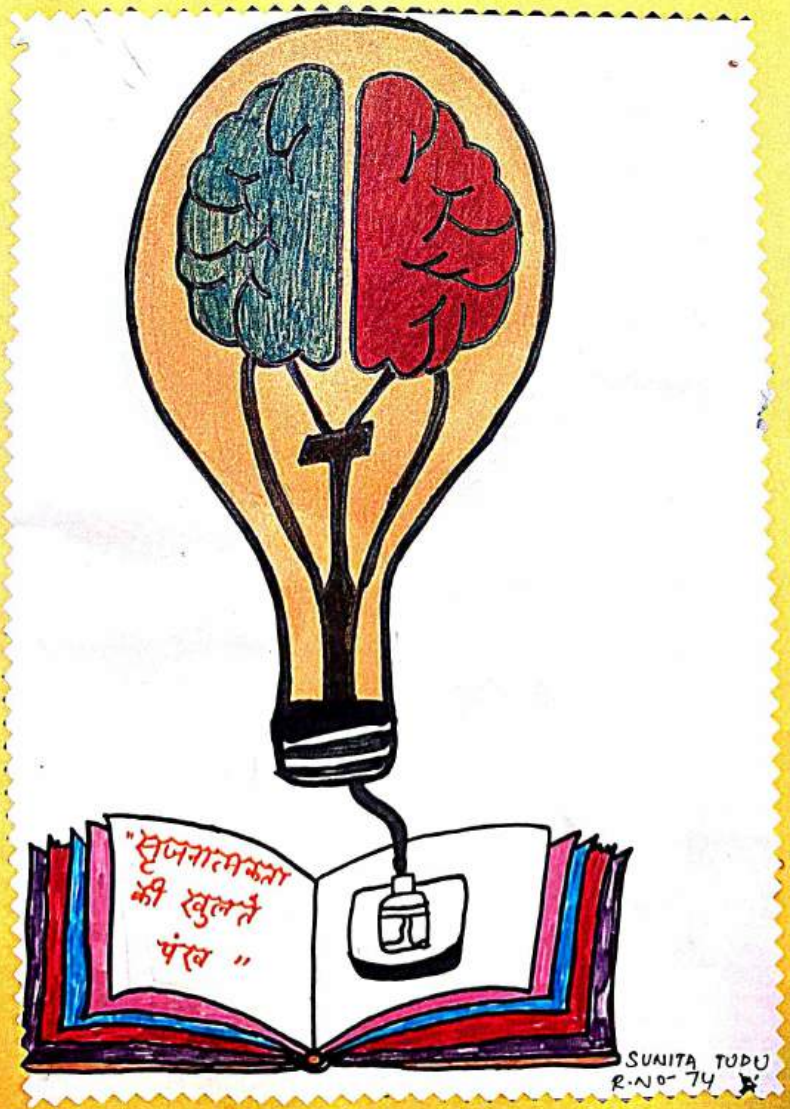

SUNITA TUDU
R.NO- 74

सृजनात्मक के खुलते पंख

सृजनात्मक लेखनासाठी प्रेरणा महत्त्वाची
असते आणि मन त्यांनतरच्या सगळ्या भाग
हा मराताचा असतो.
माणसाला एकदा लिखाणाची अमोर आली की
तो कुठल्याही जागेमध्ये किंवा कुठल्याही
परिस्थितीमध्ये लिखाण करू शकतो मुळमध्ये ते
लिखाण हे एक वेगळं अंग आहे आणि ते
ज्यांना अवगत आहे त्यांनाच लिखाण करता येतं.
प्रेम अभिलात नाहि
लिखाण ही एक प्रवृत्ति आहे आणि ते
माझ्यामध्ये, तुमच्यामध्ये, प्रत्येक
माणसामध्ये असते.

Name - Seema Kumari
Class - B.Ed. II
Sec - D
Roll no - 153
Session - 2023-25

Opening wings of Creativity

Instead of Raising your
head & complaining
Bow your head and
give thanks for all the blessings
with which almighty has
blessed you.

Name - Sana Rehmani
Roll no - 156
Course - B.Ed
Session - 2023-25

सृजनात्मकता की खुलते पंख

हर खुशी कुछ उदासी है
मों ग्रहण की पूर्णमासी है।

एक टुकड़ा दिन दुखी है एक टुकड़ा रात का दुख
कुछ समझ आती नहीं है बात है बिन बात का दुख
अनकही कुछ वेदना सी है
मन ग्रहण की पूर्णमासी है।

भाग्य से हर रात हमको एक ही दीपक मिला है
द्वार पर रख है उसे तो हर अंधेरों का किला है
रात रानी पर उदासी है
मन ग्रहण की पूर्णमासी है।

चार जुगनू मुस्कराहट की कहीं यदि पाल लेते
तो दुखों की रात में अपना खटोला डाल लेते
कुछ कहीं गलती जरा सी है
मन ग्रहण की पूर्णमासी है।

Name- Guyanti Prabha ki
Roll - 85
Sec- (B)

सृजनात्मकता की खुलते पंख

जीवन की राह में चलना है
सपनों को हकीकत में पलना है।
सूरज की किरणों से प्रेरणा पाना है
सपनों को अपने होने का सबूत दिखाना है।
दिल में बसी खुशियों को बाँधना है,
सपनों को आँचल में लपेटना है।
जीवन की मोह माया से दूर चलना है
सपनों को हकीकत में बदलना है।
सपनों की उड़ान को आसमान तक ले जाना है,
और जीने का सही मतलब सिखाना है।

Name - Neha Thakur
Roll No - 130
Section - C
Session - 2023-25

IS IT REALLY ME WHO'S DISABLED?

They don't see me,
They only see what I lack
They don't feel the way I do,
They see me as a joke to crack.
And I wonder to myself.
Is it really me who's disabled?
Because I can do things which they don't know
exist.
I can be kind, I can show love,
I feel every bit of the rain, and enjoy
every spring!
I see things in a way they don't.
I cherish life and I adore beauty!
They call me disabled, I disagree...
Because I am able in so many
ways, that they will
Never be.

NAME:- SHREYA CHAKRAVORTHY
R.NO:- 21 CLASS:- D.El.Ed
SESSION:- 23-25

सृजनात्मकता की खुलते पंख

सुबह का उगता सूरज,
करता मेरे मन, में तर-तर ॥
घूम आऊँ उन किरणों के संग
उमड़ती रहती जो मन में, हर क्षण - क्षण ॥
पंक्षियों की चहचाहट
कहती उठो उगते सूरज के संग
और साधो अपना लक्ष्य,
सूरज की किरणें मानों कहती
बिखराओ अपना तेज हर जगह - जगह ॥
खुला हुआ नीला आसमान
कहते मानों सोचो पहर - पहर
'इतना, जीवन में ज्ञान पाओ सागर के जितना ॥

डूबते हुए सूरज के संग ही
जाता मेरे शब्दों का अंत ;
अगले दिन दोबारा वही
जीवन में सवेरा आता है ॥
कभी हार न मानों मिल
जाएगी मंजिल आपको,
जो प्रतिदिन लक्ष्य को पाने की
चाह रखता है ॥

Name - Ritu Roshni
Class - B.Ed 'C'
Roll - 140

सृजनात्मकता के खुले पंख

श्रद्धा से ज्ञान
विनम्रता से मान
और योग्यता से स्थान मिलता है।
जिन लोगों के पास,
ये तीनों होते हैं,
उन्हें हर जगह मान सम्मान मिलता है।
कल्पना का संसार है
जिज्ञासा का विस्तार है
नई खोज, नई सोच, नया प्रयोग
रचनात्मकता का आधार है
रचनात्मकता एक अलग विचार है,
रचनात्मक सोच विचारों को प्रेरित करती है,
और विचार परिवर्तन के लिए प्रेरित करते हैं,
सृजनात्मकता के खुलते पंख में समावेश के साथ

नाम → पूजा कुमारी
रोल नं० → 177
सेक्शन → 'D'

सृजनात्मकता के खुलते पंख

सृजनात्मक लेखन का उद्देश्य मानवीय मूल्यों का प्रसार और जीवन की सार्थकता की पहचान करवाना होता है। वही लेखन सार्थक है जो समाज को दिशा दे। न्याय, समानता, भाईचारे और अन्य मानवीय मूल्यों की भी बात करे। मूल्य, व्यक्ति की सामाजिक विरासत का एक अंग होते है इसलिए मूल्यों की व्यवस्था मानव अस्तित्व के विभिन्न स्तरों या आयामों में व्यक्ति के अनुकूलन की प्रक्रिया का मार्गदर्शन भी करती है भारत जैसे लोकतान्त्रिक देश में आज " नैतिक नेतृत्व की ज्यादा आवश्यकता है और इसको बनाने में सृजनात्मक लेखन का बहुत बड़ा योगदान हो सकता है।

Name – Rupam Kumar
RollNo - 179
Class – B.Ed
Sec – D

सृजनात्मकता के खुलते पंख

जन्म ली थी वो लड़की बनकर
लोगों ने खूब खरी खोटी सुनाई है।
कहते थे वे लोग उसके माँ-बाप से,
तूने तो एक लड़की जन्माई है।
क्या करेगी वो लड़की तेरी
जिसका न कोई भाई है
लड़की है, लड़की ही रहेगी
क्या है उसकी पहचान
आज नहीं तो कल – चले जाना है
उसे दूसरे के घर।
क्या करेगी पढ़ा-लिखा कर
करना है उसे भी घर का काम
समय रहते कर दो उसकी शादी
वरना होगी उसकी बर्बादी।
लड़की-लड़की कहता रहा पूरा संसार
पर उस लड़की के माँ-बाप ने
कभी न छोड़ा उसका हाथ।
समय का पहिया चलता रहा और लड़की का
आत्मविश्वास बढ़ता रहा आज निकली है वो लड़की
अपनी पहचान बनाने को इस पूरे संसार को
समझाने को की लड़की-लड़की मत
बोलिए और न करिए उसका अपमान
जिसने पूरे संसार का सृजन
किया भला उसकी क्या
पहचान।

Name – Astha Pathak
Class – B.Ed 'B'
Roll no – 95
Session – 2023-25

सृजनात्मक की खुलते पंख

सृजनात्मक एक अद्वितीय ऊर्जा है जो
हमें नए सोच और नए रूपों में दुनिया
को देखने की क्षमता प्रदान करती है। अब हम
सृजनात्मकता के खुलते पंखों के साथ निकलते हैं
तो हमें नई ऊंचाइयों की ओर उड़ने का साहस और
शक्ति मिलती है। यह हमें स्वयं की सीमाओं को पार करने
के लिए प्रेरित करता है और हमें अपने सपनों को
साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने का साहस देता
है, इस प्रकार सृजनात्मकता के खुलते पंख हमें
अनगिनत संभावनाओं की ओर ले जाते हैं, जहाँ
हमें अद्वितीय रूप को पहचानते हैं और उसे
व्यक्त करते हैं। इस प्रकार हर एक ही सृजनात्मकता
ऊर्जा उसके अंतर्निहित क्षमताओं को जागृत
करती है और उन्हें अपने जीवन को स्थायी
और अर्थपूर्ण बनाने के लिए प्रेरित करती है।

Name- Ruchi Kashyap
Class - B. Ed. 'D'
Roll no.- 178
Session- 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

जिन्दगी तुम खूबसूरत हो
मानो किसी शिल्पकार की मूरत हो कभी
हँस पड़ती हो खिलखिलाकर किसी
बच्चे की तरह तो कभी गुम-सी हो जाती
हो बिल्कुल निराशा भरे मन में आशा की
तरह कभी नव-वधू की भाँति लजाते हुए
मुस्कुरा देती हो।
तो अगले ही पल होने पर स्वतन्त्रता का हनन
झट सारे वायदे ठुकरा देती हो, तो अगले ही पल
क्या उपमा दूँ मैं तुम्हें ? तुम व हर बदलाव
की नियति हो, जिन्दगी ! तुम खुबसुरत हो।
जो हार रहा हो जीवन रण में पनप
रही हो शिथिलता जिसके प्रण में टूट रहा हो जो
खुशियाँ हर क्षण में हो जो खोया दुविधा के गलियारों
में था पा भी जाए वो शिव, जो बसे कण्ठ में
तपिस हो सूरज की या फिर शीतलता शरीर
की तुम हर विभिन्न की जरूरत हैं।
जिन्दगी ! तुम खुबसूरत हो।

Name:- minita kisku
B.Ed Sem — I
Roll :— 69 'B'

सृजनात्मकता के खुलते पंख

उम्मीदों का उगता सूरज बादलों में भौंन खड़ा है।
जीत उसी ने पाई है, जो संघर्षों से लड़ा है।
सामने सूरज हो भले वह अकेला खड़ा है.....।
खुद पर भरोसा उसे भुवानू सा वो अड़ा है.....
लाखों संघर्ष चाहें, मार्ग में भले उनके...
उसकी जिद के आगें उसका हौंसला बड़ा है।
अनन्त हार से भी मुकम्मल खड़ा है।
जीत का जज्बा, आसमान से बड़ा।

Name – Pinki Kumari
Sec – 'D'
Roll No – 175

सृजनात्मकता के खुलते पंख

हम आती-जाती सांसो पर ध्यान लगा दें तो।
मन की ऊर्जा बहुत बढ़ जाती है।
इससे न केवल हमारे अचेतन व अवचेतन मन को विश्राम मिलता है, बल्कि हमारी सृजनात्मकता भी निखर जाती है।

Name- Premlata Murmu
Roll no- 27
Class - B.Ed. Sem-II
Session- 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

आँगन की गौरैया अब तो
उड़ना भूल गई
सहमी - सहमी रहती घर के, अंधेरे कोने में,
कोई फर्क नहीं पड़ता है, घर में होने में,
सुबह - सुबह छज्जे पर जाकर जुड़ना भूल गई,
औने - पौने जो मिल जाता जुगाकर जीती है,
सारी सुविधाओं से वह रहती रीति है,
बुलबुल की किस्मत से अब तो कुदना भूल गई,
बहुत दिनों से खलिहानों में दौनी नहीं हुई,
वर्षों से उजड़ी छपरी की छौनी नहीं हुई,
पुरवैया भी ईधर आजकल मुड़ना भूल गई।

Name- Varsha
Roll no -
B. Ed S

सृजनात्मकता के खुलते पंख

प्रेम में बंधन नहीं है
तुम उसे एहसास के
नन्हे सजीले पंख देखकर
मुक्त कर दो।
वह उड़ेगा
क्षण भर उड़ेगा
और फिर से लौटकर
स्नेह के बंधन तुम्हारे
चूम लेना।
देह के लघु खंड तो
क्षण की शिला है
छू नहीं सकते
स्थिर है।
वे तुम्हारे प्रेम की
नव सर्जना में
गद्‌गद्‌ रहेंगे
मूक अभिनंदन करेंगे।

Name - Sumita Hembrom
Class - B.Ed. Sem - II
Roll no - 135
Section - C
Session - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पंख

यूँ ही नहीं मिलती राही को मंजिल,
एक जुनून सा दिल में जगाना होता है,
पूँछा चिड़ियों से कैसे बनाया आशियाना बोली
भरनी पड़ती है।
उड़ान बार - बार तिनका तिनका उठान
होता है।

Name - Anjali Kumari
Class - B.Ed.
Roll - 24
Session - 2023-25

सृजनात्मकता के खुलते पर!

एक सपना एक अद्भुत कल्पना
सृजनात्मकता के खुलते पंखों का
जीवन मन में बसा एक आवाज, अद्भुत
कविताओं की मिसाल बाज
रंग - बिरंगी चित्रों का जादू, संगीत की
मधुर धुन में बसा सजीवता का भाव सोच का उद्धार
भावनाओं का संगम सृजनात्मकता की उस अद्वितीय
धार का प्रवाह
नए राहों पर चल नए उड़ानों में
बदल, सृजनात्मकता की खुलते पंखों का सफर
आओं उन ख्वाबों को पंख दें, जो
अपनी उड़ान के इंतजार में हैं बेकार
सृजनात्मकता की खुलते पंख, उन्हें बुने और बढ़ाए,
विचारों का संगम एक अद्भुत सपना,
एक अद्भुत कल्पना सृजनात्मकता के खुलतें पंख।

नाम: खुशबू कुमारि
क्रमांक: 66
B.Ed. Sem 2

सृजनात्मकता के खुलते पंख

सृजनात्मकता शब्द बहुत ही अनोखा शब्द है। सृजनात्मकता का अर्थ है - नया कार्य करना या नए चीजों की खोज करना। यह दो शब्दों के मेल से बना है -

"मौलिकता और उपयोगिता।"

कितना अनोखा होता है एक नए चीज की खोज करना, उसके बारे में जानना या फिर उसे अपने पूर्व ज्ञान के साथ जोड़ना।

जैसे हम कह सकते हैं कि एक बच्ची के लिए कितना अनोखा होता है, एक नए चीज की खोज करना। उस बच्ची का वह खोज ही उसे आगे बढ़ने में प्रेरित करता है। वह स्वतंत्रता पूर्वक सारे कार्य करती है और अपने जीवन में आगे बढ़ती है, ताकि सृजनात्मकता के खिलते पंख की तरह उड़ सके।

जैसे- स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है -

"उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक अपने लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए।"

Name- Ruby Kumari
Class- B.Ed Sem-II
Roll - 78 (B)
Session - 2023-25

Shrijanatmakta Ki Khulte Pankh
N
W
S
Khushi Kumari
D. EL. ED (2023-25)

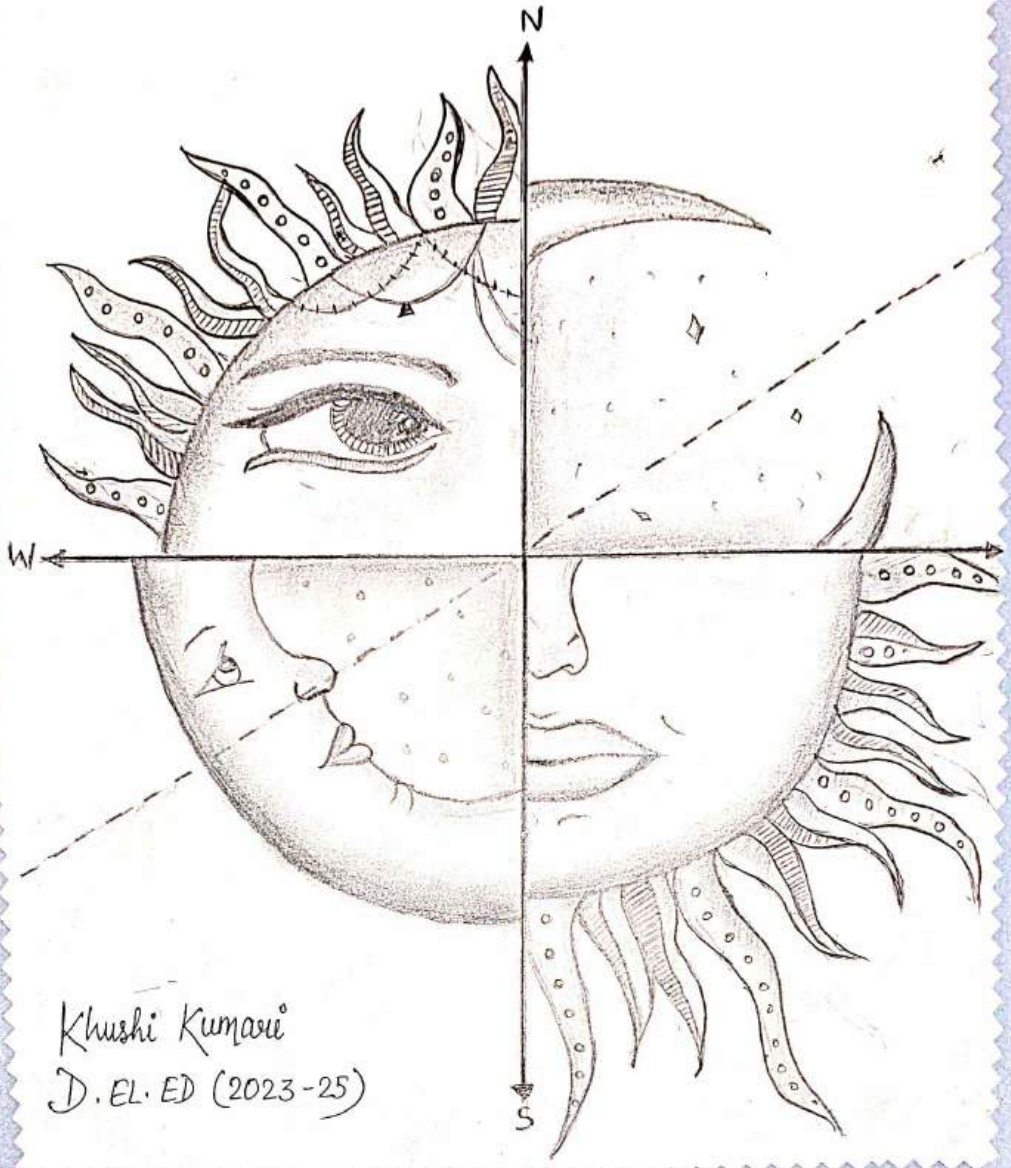

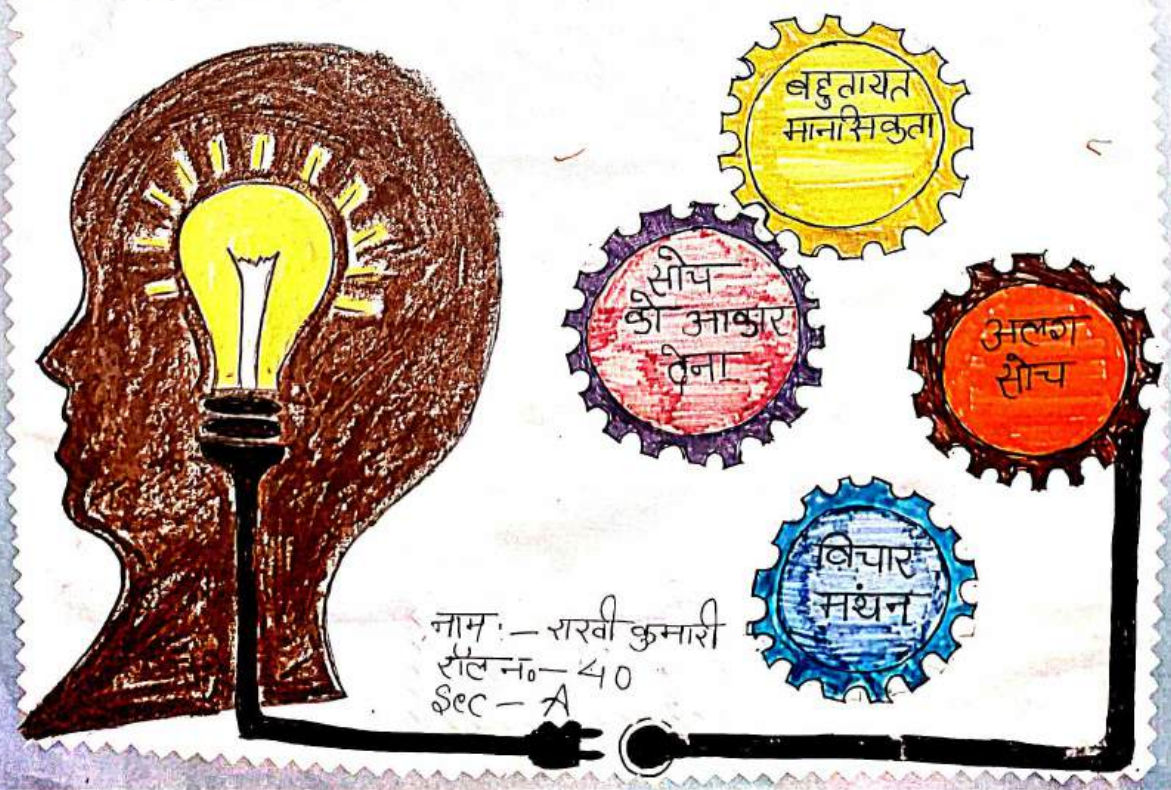

बहुतायत मानसिकता
सोच को आकार देना
अलग सोच
विचार मंथन
नाम :- राखी कुमारी
रॉल नं०- 40
Sec - A

सृजनात्मकता की खुलते पंख

मंजिलें यूं ही नहीं मिलती
राहें खुद ब खुद आसान नहीं होती।
अगर है ख्वाईशों को भी पंखों की जरुरत नहीं होती।।
अगर करना है मुकाम को हासिल,
जो बन्द नही खुली आँखों से देख हो,
तो सपनों को भी रातों की जरुरत नहीं होती ।।
और अगर आखिर ठान ही लिया
की बस कुछ कर गुजरना है
तो सफलताओं को मौकों की जरुरत नहीं होती,
और अब कैसे कह दु की ये सब कुछ आसान है,
बिन खुद जले तो रोशनी भी रोशन नहीं होती ।।

Name- Babita Soren
Class - B.Ed Sem-II
Section - 'B'
Roll no - 77

सृजनात्मकता के खुलते पंख

मंजिलें यूं ही नहीं मिलती राहें
खुद ब खुद आसान नहीं होती ।
अगर है ख्वाइस अपने आप को उस पार देखने की
तो ख्वाईशों को भी पंखों की जरुरत नहीं होती ।।
अगर करना है मुकाम को हासिल,
जो बन्द नहीं खुली आँखों से देखे हो,
तो सपनो को भी रातों की जरुरत नहीं होती ।।
और अगर आखिर ठान ही लिया
की बस कुछ कर गुजरना है
तो सफलताओं को मौको की जरुरत नहीं होती ।
और अब कैसे कह दु की ये सब कुछ आसान है
बिन खुद जले तो रोशनी भी रोशन नहीं होती।

Name - Sushma Murmu
RollNo - 98 (B)

सृजनात्मकता के खुले पंख

रूहानियत से लेकर अश्लीलता तक बहुत बड़ा क्षेत्र है रचनाओं के सृजन के; देश देशान्तर, समय के हर कालखण्ड में, बहुत लेखक हुए, कुछ जादूगर, कुछ तच्चे। * हाथ में कलम है, तो जवाबदेहियाँ भी हैं, निभाना भी ने आए तो कोई इसे उठाए क्यों? कुछ किताबें ऐसी कि बस पढ़ते ही रहिये, और कुछ ऐसी कि डस्टबिन में डाल आइये।

* ऐ लेखक तुम कलम उठाओ, भाव अकेले पाठक हों मन्त्रमुग्ध, ऐसा कोई सृजन करो।

Name :- Sushanti Soren
Roll :- 196 'C'
B.Ed Sem-I

सृजनात्मकता के खुलते पंख

जो छूट गया उसका क्या मलाल करें। जो हासिल हों, चल उस से ही सवाल करें।। बहुत दूर तक जाते हैं, यादों के काफिले, फिर क्यों पुरानी यादों में सुबह से शाम करें, माना इक कमी सी है। जिंदगी थमी सी है।

पर क्यों दिल की धड़कनों को दर-किनार करें मिल ही जाएगा जीने का कोई नया बहाना, आ जरा इत्मीनान से किसी खास का इंतजार करें।

नाम - ममता कुमारी
क्रमांक - 174

सृजनात्मकता के खुलते पंख

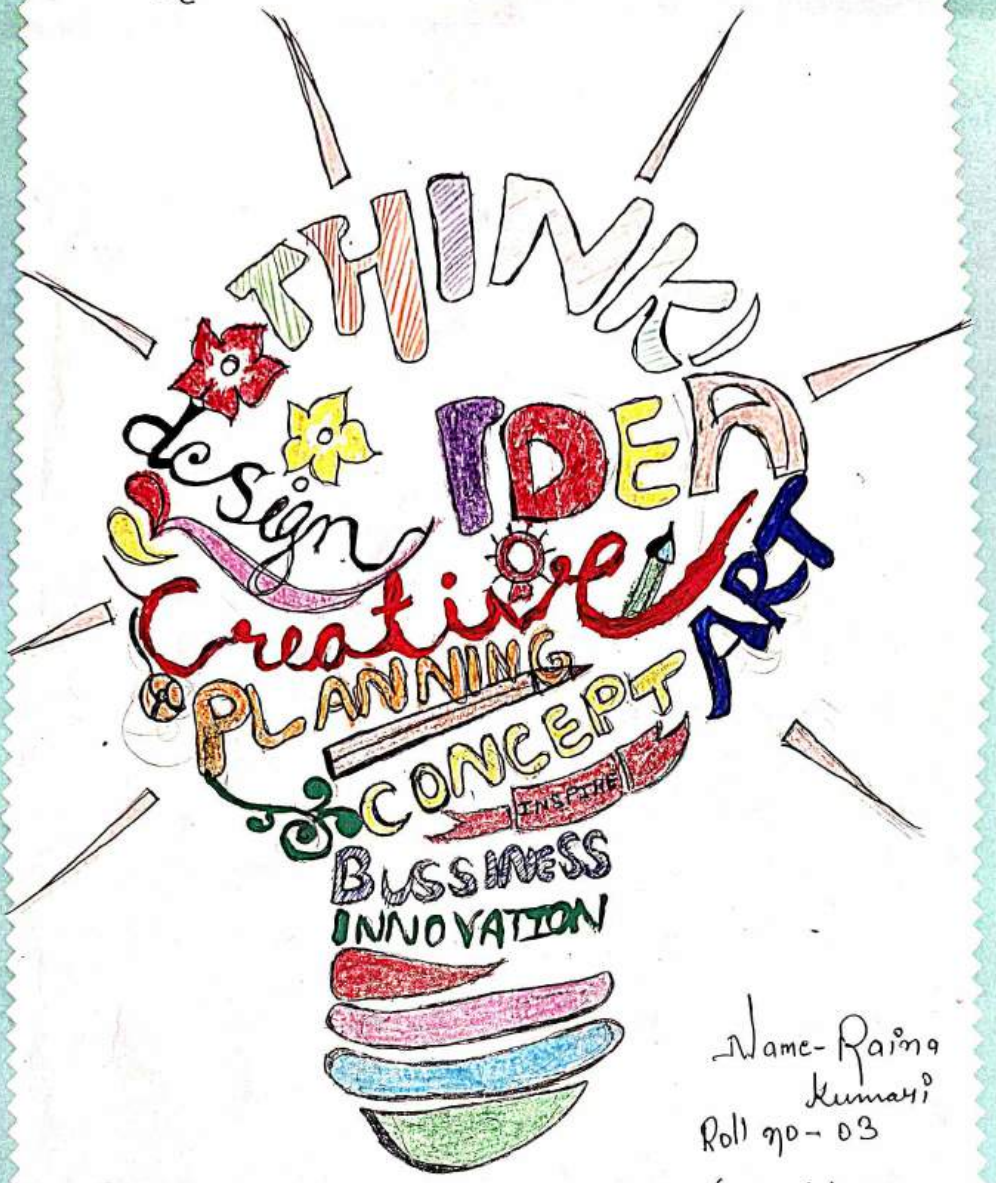

Name- Raina Kumari
Roll no- 03
Sec- A

Thank you